



128/12182

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 352]

नई दिल्ली, बुहस्पतिवार, जून 23, 1988/आषाढ़ 2, 1910

No. 352]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 23, 1988/ASADHA 2, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging Is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

श्रम मंत्रालय

प्रधिमूलना

नई दिल्ली, 23 जून, 1988

सा. का. नि. 732 (ग्र) :—कोयसा खान विनियम, 1957 का और संशोधन करते के लिए कठिपय विनियमों का निम्नलिखित प्राप्त्य, जिसे केन्द्रीय सरकार, खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 57 द्वारा प्रदत्त शरियतों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 59 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उसमें प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्राप्त्य पर राजपत्र में इस अधिमूलन के प्रकाशन की तारीख से तीन मास की अवधि की ममान्ति पर विचार किया जाएगा।

किन्हीं ऐसे व्यक्तियों या सुझावों पर जो इस प्रकार विनियमित प्रबंध के पूर्व उक्त प्राप्त्य की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

## प्राप्त्य विनियम

1. इन विनियमों का मंजिला नाम कोयला खान (संशोधन) विनियम, 1988 है।

2. कोयला खान विनियम, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त विनियम कहा गया है) में, विनियम 123 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

123. धूल से बचने के लिए पूर्वावधानियाँ : (1) प्रत्येक खान का स्वामी, अधिकर्ता या प्रबन्धक ऐसे कदम उठाएगा जो धूल के उत्सर्जन को कम करने के लिए और ऐसी धूल के दमन के लिए जो भूमि के नीचे या भूतल कार्यस्थल से वायु में प्रवेश करनी है, आवश्यक है और यह सुनिश्चित करने के लिए कि इसमें योग्य धूल के प्रति कर्मकारों का अनावृत रहना उस

हव तक सीमित हो सके जो व्यक्तियुक्त रूप से भाष्य हैं, किन्तु किसी भी दशा में यह उम सीमा से अधिक न हो सके जो व्यक्तियों के स्वास्थ्य के लिए हानिप्रद हो।

2 इस विनियम के प्रयोजन के लिए किसी आक्ति के कार्य करने या गुजरने या वहां होने के लिए कोई स्थान अहानिकर हासिल बाया नहीं भमझा जाएगा, पर्वि शाठ धंटे का समय जो वायु वाहित श्वसनयोग्य धूत का वजनीकृत असत न केन्द्र है, मुख्य निरीक्षक द्वारा साधारण या विशेष आवेद द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार अनुमोदित और अवधारित किस्म के गुरुत्वमापी धूत प्रतिचयक द्वारा सेंपल किए गए वायु के प्रति क्यूंकि भीटर मिली आम में वहां तीन से अधिक हो जाता है जहां निर्वाध श्वसनीय विद्यमान सिलिका 5 प्रतिशत में कम है और अन्य दशाओं में विद्यमान निर्वाध श्वसनीय विलिका की प्रतिशतता के साथ 15 अंक को विभाजित करके प्राप्त मूल्य ।

(3) (क) प्रत्येक खान का स्वामी, अभिकर्ता या प्रबंधक इस विनियम के प्रवृत्त होने के लिए भीतर और उसके पश्चात् कम से कम प्रत्येक छह मास में या जब कभी लिखित आवेद द्वारा प्रादेशिक निरीक्षक ऐसे अपेक्षा करे, प्रत्येक ऐसे कार्य स्थान पर, जहां वायु वाहित धूत विकसित होती है, वहां को वायु का सेंपल करा ले और उम्में श्वसनीय धूत के न केन्द्रण अवधारित करा ले :

परन्तु यदि किसी कार्यस्थान पर किसी माप से संकेन्द्रण उप विनियम (2) में विनिर्दिष्ट अनुज्ञात संकेन्द्रण (जिसे इसमें इसके पश्चात् “अनुज्ञात सीमा” कहा गया है) पचास प्रतिशत या पचहत्तर प्रतिशत से अधिक प्रतीत होता है तो तो पश्चात्यर्ती माप ऐसे अन्तराल पर किए जाएंगे जो क्रमशः तीन मास या एक मास से अधिक का न हो :

परन्तु और कि ऐसे माप भी, किसी संयंव, उपस्कर या मणीनी के चाल् किए जाने पर या किसी नवीन कार्य व्यवहार के प्रारम्भ किए जाने पर या उसमें ऐसे परिवर्तन किए जाने पर जिससे वायुवाही श्वसनीय धूत के स्तरों में पर्याप्त परिवर्तन होने की संभावना हो, तुरन्त किए जाने चाहिए ।

(छ) सेंपल करने की अवस्थिति, आरम्भ, भमय, आनावधि और पढ़नि ऐसे होंगी जो, यथासाध्य, लिए गए सेंपल कर्मकार व्यक्तियों के धूत प्रभावन स्तर का वास्तविक शोतक हो और इसमें निम्नलिखित भम्मिलित होगा अर्थात् :—

(1) कार्य करने के पर्याप्त धूत उत्सर्जन के श्रोतों और धूत मंकेन्द्रण के स्तरों की पहचान करने के लिए “स्पैतिक भानीटरन”, और

(2) कर्मकार व्यक्तियों के श्वसन क्षेत्र में पहुंचने वाली वायु का “वैयक्ति भानीटरन” ।

चरम उत्सर्जनों के द्वारा सैम्पत्तिग की समयक अत्यन्तिक सैम्पत्तिग द्वारा की जाएगी ।

(ग) सेंपल ऐसे व्यक्ति द्वारा जिसे विशेष रूप से इस प्रयोजन के लिए प्रशिक्षित किया गया है, ऐसे सेंपल लेने वाले उपस्करों और उपसाधनों के साथ लिया जाएगा जिनकी शुद्ध अनुरक्षण और कुशल संचालन सुनिश्चित करने के लिए जांच पड़ताल कर ली गई हो और जिनकी परीक्षा, परीक्षण तथा अंकांकन ऐसी तारीख को किया गया हो जो एक वर्ष से पहले की न हो ।

(प) सैम्पलों का श्वसनीय धूलांश और स्फटिक अंश यथासाध्य समुचित रूप में सुनिश्चित ऐसी प्रयोगशाला में अवधारित लिया जाएगा, जो इस तिमित मुख्य निरीक्षक द्वारा लिखित रूप में अनुमोदित की गई हो ।

(छ) वायुवायी श्वसनीय धूल के मापों के सभी परिणाम और सभी अन्य सुसंगत विशिष्टता सैम्पलों के संग्रह किए जाने की तारीख में जार दिन के भीतर इस प्रयोजन के लिए रखे गए पृष्ठ संख्यांकित जिन्दबद्द वहीं में अवस्थित रूप में से अभिलिखित की जाएंगी । और जीवीन धंटे के भीतर गूंबीकूं वहीं की प्रत्येक प्रविष्टि प्रबन्धक द्वारा प्रतिहस्ताक्षित की जाएगी और तारीख डाली जाएगी ।

(4) जब धूत मानीटरन के परिणाम में यह मिल जाता है कि किसी स्थान पर धूत मंकेन्द्रण को अनुज्ञात नीता बढ़ रही है तो सुसंगत संकिपा या संकिपाय, जिससे अधिक धूत आयी है, माना कर दी जाएंगी और ऐसी संकिपा या संकिपाय नव तक न तो पुनः आरम्भ की जाएंगी, जब तक धूल के निवारण और दमन में सुधार नहीं हो जाते हैं तथा उक्त मंकिपा या संकिपायों के दुनरारम्भ पर तुरन्त किए गए नए नैटिकिंग न यह मिल नहीं हो जाता है कि ऐसे सुधारों में प्रा न कोट्रा “अनुज्ञात परिसीमा” गे नीचे हुआ है ।

परन्तु यह कि यह किसी मणीनी या उपस्कर को धूत निवारण और दमन को प्रूफिन दक्षतापूर्वक कार्य करने में अवक्षल रहती है तो उक्त मणीनी यह उपस्कर का संचालन उपरी प्रकार समाप्त कर दिया जाएगा और तब तक पुनः आरम्भ नहीं किया जाएगा जब तक उम तुटि को ठीक नहीं कर लिया जाता है ।

परन्तु यह अंति कि किसी ऐसी कार्य दिविन में, जहां शुद्ध रूप से मंकेन्द्रण के आकृष्टिक उपाय या अनुपूरक उपाय के स्वप में, तरहीं गीति या श्वसनीय धूत मंकेन्द्रण को अनुज्ञात मीमा में नीचे रखना गंभीर गड़ा है या किसी शुक्ति को प्रतिस्थापित आर जालू गड़े या धूत निवारण या दमन के लिए किसी नवीन कार्य व्यवहार को वंस्थापित करने के लिए आवश्यक अवक्षित के दोरान, अनुज्ञेय धूत अनावरण गीमा या अनुपालन सुदूर मंकिपा द्वारा या कार्य अवर्तन द्वारा प्रा-

किया जा सकेगा और ऐसा करने में असफल रहने पर भूमूलिक धूल श्वसित्र के प्रयोग द्वारा प्राप्त किया जा जाएगा।

(5) प्रत्येक ऐसी खाने का स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक जहाँ धूल श्वसित्रों के आवश्यकता हो सकती है, संबंधित कर्मकार युक्ति की लागत के बिना उसके प्रयोग के लिए पर्याप्त संख्या में धूल श्वसित्रों की, धूल श्वसित्र की नियमित सकारात्मक मंत्रालय और दक्षतापूर्ण कार्यकरण की हालत में अनुरक्षण करने को और श्वसित्रों को समुचित फिटिंग की और संबद्ध कर्मकारों को इसको आवश्यकता और प्रयोग करने की पूर्ण रूप से प्रशिक्षण की व्यवस्था करेगा।

(6) धूल फैलने और एकलित होने और वायुवाही धूल के प्रमाण का निवारण करने के लिए निम्नलिखित उपचार व्यापक होंगे, प्रथमः—

(क) धूल का दमन, उसके बनने के शोत में जहाँ वह बनती है, यथासंभव समीप किया जाएगा :

(ख) भूतल पर या भूतल से नीचे पत्थर बमति या बोर करने के दौरान—

(i) ऐसे टुकड़ों जो तीव्र हो, और समुचित आकार के हों, का प्रयोग करके, टुकड़ों पर उपयुक्त दबाव डालकर और छिप्रों को करनाने में साफ करके धूल के उत्पादन को कम किया जाएगा :

(ii) कतरन करने वाले धार पर कतरनों को गोला करने के लिए जेट या जल का रुख लिया जाएगा या मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुभावित उसी प्रकार की अन्य कारगर युक्ति का उपचार किया जाएगा और संक्रियाओं के दौरान वातावरण की धूल से भरने से रोकने के लिए ये कार्य जारी रखे जाएंगे। जहाँ वायुवीय बरमाने की क्रिया को जाती है, वहाँ बरमें की ओर संपीड़ित वायु करने से पहले जल का रुख किया जाएगा। किन्तु जब बरमाने की क्रिया हाथ से की जाए तब यह पर्याप्त होना चाहिए कि ऐसे बरमाने के दौरान लगातार गोला रखा जाए।

(ग) भूमितल पर या सतह के नीचे प्रत्येक सड़क, अहाँ चप खनन मणीनरी कार्यरत हो नियमित रूप से गोली रखी जाएगी या किन्तु अन्य उसी प्रकार की कारगर युक्ति द्वारा वातावरण में फैलने वाली धूल को कम करने के लिए प्रभावों द्वारा से अभिक्रियान्वित किया जाएगा जिससे कि वातावरण में धूल न उठ पाए।

(घ) खनिजों या प्रयस्कों को छानने या छांटने के लिए कोई संयंत्र और पथाशक्य सिंडर, सिमेंट, रेत, मोरटार या अन्य शुष्क और वारीक मामग्री की कोई क्लेर किसी आउन कास्टरशैफ्ट या अंतर्ग्रहीत वायुमार्ग के ऊपर 80 मीटर के भीतर नहीं रखा जाएगा, या ऐसो किसी सामग्री को इस प्रकार प्रयोग में नहीं लाया जाएगा जिससे कि वह वायुवाही हो जाए और ऐसे अंकुर या वायुमार्ग में खिचकर न चला जाए।

(ज) भूमि के नीचे का प्रत्येक खाने में—

- (1) ऐसे किसी मणीनरी या उपस्कर को, जिसमें अनुज्ञान सीमा से अधिक धूल निकलने की संभावना है, तब तक नहीं चलाया जाएगा जब तक वह समुचित धूल नेवारक और दमन की युक्ति से सुरक्षित न हो और जब तक कि ऐसी युक्ति कारगर रूप से कार्य न कर रही हो:
- (2) प्रत्येक यात्रिक को जला कर्तक पर पिको के छिपाइन अवस्था, सामग्री और हालन ऐसी होगी जिससे कि धूल का बनना कम-में-कम हो जाए और कोई यात्रिक कोयला कर्तक तब तक प्रवालित नहीं किया जाएगा जब उसके मध्यवित जन के छिढ़काय या जल के जैट का उस के कटिंग किनारों पर रुख लकिया जाए, जिससे नि कटिंग को नम किया जा सके जैसे हो वे बने।
- (3) प्रत्येक कार्यरत मुख और उसके माठ मीटर के भीतर प्रत्येक सड़क या वायुमार्ग के तल, छत और किनारे जब तक पूरी तरह स्वाभाविक रूप से गीले न हों, धूल एकलित होने से रोकने के लिए नियमित रूप से धुलाई की जाएगी और उन्हें काम की पारियां के दौरान पूर्णतः गीला रखा जाएगा।
- (4) किसी मणीनरी या मक्किया द्वारा निकलने वाली धूल को माफ करने के लिए पर्याप्त वायु प्रवाह और धूल संकेन्द्रण को “अनुज्ञात गीला” ने नीचे रखने के लिए नामान्य संवानन द्वारा और यदि आवश्यक हो व्यानीय संवानन द्वारा बनाए रखा जाएगा जिससे कि यथाशक्य किसी मड़क भाग या कार्यस्थान में वायु की गति ऐसी न हो जिससे कि वातावरण में धूल उठ सके।
- (5) ट्रिम्पोटन के परचात् कार्यस्थानों में तब तक प्रवेश नहीं किया जाएगा जब तक वायु-प्रवाह धूल और गुबार माफ हो जाने के लिए पर्याप्त ममत न बीन रखा हो तथा खंडित मामग्री को तब तक नहीं हटाया जाएगा, जब तक इन्हें जल द्वारा पूरी तरह से गीला न कर दिया गया हो।
- (6) कोयले के परिवहन के लिए प्रयुक्त धानों, टबों और कन्वेयरों को अच्छी हालत में रखा जाएगा जिससे कि अधिक्षावन और रिस्तन कम हो सके। शूटों, भर्तिक कन्वेयरों, अधम्कापानों, पिनों, रिस्तकों, कन्वेयर निर्बहन त्रिन्डुओं प्रीर वाल्डी लक्षण और उत्तरान संस्थापनों का इस प्रचार नियंत्रण किया जाएगा जिससे नि धूल बनना न्यूनतम हो जाएगा। ऐसी भावनाओं को तब तक पूरी तरह भी नहीं भी किया जाएगा जब तक कि वे पूरी गोली नहीं हो जाती या धूल बढ़ाने के ऐसी किसी अन्य युक्ति का प्रयोग नहीं किया जाता है।

- (7) जब तक कि विशेष कठिनाइयों के कारण, प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा इस निमित्त लिखित रूप से छूट नहीं दी जाती है और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जिसमें यह उसमें विनिर्दिष्ट करें, पात्र में जल को पर्याप्त परिमाप में और पर्याप्त बवाय के अधीन और अलग से किसी पर्याप्त ग्राणाली का भी उपबंध किया जाएगा और उसी हालत में बनाए रखा जाएगा जिससे कि धूल को अधिक-से-अधिक कारगर रूप से शान्त किया जा सके।
- (च) कोयले या पत्थरों के पीसने, सोडने, विघटित करने, तराशने, छांटने, ग्राइंडिंग करने, छानने या सीविंग करने की किसी प्रक्रिया को या उससे अनुषंगिक किसी संक्रिया को किसी खान में तब तक नहीं किया जाएगा जब तक दक्षतापूर्वक पानी देने या अन्य समेंचित और प्रभावी धूल नियंत्रण उपाय जैसे कि, जो अलग करने, बाढ़ा लगाने, संवातन और धूल संग्रहण तक सीमित नहीं है, परिकल्पित उपलब्धिक, अनुरक्षित और प्रयोग नहीं किए जाते हैं।
- (छ) भूमि के नीचे या सतह पर निष्कासित वायु को, जिसमें “अनुज्ञात भीमा” से अधिक धूल हो, कारगर रूप से तनुकृत किया जाएगा और यदि आवश्यक हो तो कार्यस्थान में पुनः परिचालित करने से पूर्व या बातावरण में छोड़ने से पूर्व, इस प्रकार फिल्टरित किया जाएगा जिससे कि उसमें की प्रवसनीय धूल के संकेन्द्रण को “अनुज्ञात भीमा” से बस प्रतिशत से नीचे कम रखा जा सके।
- (ज) किसी भूमीनरी, उपस्कर या प्रक्रिया द्वारा उत्पादित धूल के निवारण और दबाने के लिए तथा निष्कासित वायु को फिल्टर करने के लिए भी प्रयुक्त प्रत्येक युक्ति का और प्रत्येक धूल श्वसिक का सात दिन में कम-से-कम एक बार निरीक्षण किया जाएगा और प्रत्येक छह मास की अवधि में कम-से-कम एक बार पूरी परीक्षा और जांच की जाएगी और प्रत्येक ऐसे निरीक्षण, परीक्षा और जांच के परिणामों को रिपोर्ट को, उपविष्यम (3) के खण्ड (ड) के अधीन रखे गए रजिस्टर में अभिलिखित किया जाएगा।

7. प्रत्येक ऐसे खान का प्रबन्धक जहां वायुवाही धूल उत्पादित होती है, एक स्कीम बनाएगा और उसे कार्यान्वित करेगा जिसमें निम्नलिखित विनिर्दिष्ट होगा—

- (क) नमूने का अवस्थान, आवृत्ति, समय अवधि और पद्धति;
- (ख) नमूने के लिए प्रयोग किए जाने वाले उपकरण और उपगार्भन;
- (ग) प्रयोगशाला जहां नमूने की प्रवसनीय धूल की अन्तर्वैस्तु और स्फटिक अन्तर्वैस्तु अवधारित भी जाएगी;

- (घ) रूपण, जिसमें धूल संकेन्द्रण के भाषो के परिणाम और अन्य विशिष्टियां अभिलिखित की जाएंगी;
- (ङ) धूल मानिटर करने और धूल निवारण तथा उसे दबाने संबंधी उपायों और धूल श्वसिकों को परोक्षा और अनुरक्षण के लिए संगठन; और
- (च) धूल नियंत्रण उपायों के कार्यान्वयन से सम्बद्ध सभी व्यक्तियों को इस निमित्त प्रत्येक द्वारा किए जाने वाले कार्यों की प्रकृति से पूर्णतः सुनिश्चित कराने की रोति।
- (8) प्रादेशिक निरीक्षक, जहां ऐसी विशेष परिस्थितियां विद्यमान हों, एक लिंबित अदेश द्वारा और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करे, पूर्वांमी उपबंधों में या प्रबन्धक की स्कीम में किसी परिकर्तन की अनुज्ञा दे सकेगा या अवेक्षा कर सकेगा।
- (9) इस विनियम में विनिर्दिष्ट किसी बात के संबंध में किसी शंका के उत्पन्न होने पर वह मुख्य निरीक्षक को विनिष्वय के लिए निहिट की जाएगी।
3. उक्त विनियमों के विनियम 123के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—
- “123. कक्ष. धूल नियंत्रण के बारे में उपायों का निष्कासन—(1) खान के ऐसे प्रत्येक भाग को, जो प्राकृतिक रूप से पूर्णतः गीला नहीं है या जो विस्फोटसह स्टोरिंग द्वारा अलग नहीं किया गया है,—
- (क) यथा शक्य कोयले की धूल के किसी संचया से मूक्त रखा जाएगा, और
- (ख) (1) बारीक ज्वलनशील धूल से, ऐसी रीति में और ऐसे अन्तरालों पर अभिक्रियित किया जाएगा जो यह सुनिश्चित करेगा कि फर्श, छत और किनारों पर धूल और किसी आलम्ब या संरचना में कोयले के संचारों की वशा में, जिनमें बाष्पशील पदार्थ (शुष्क और राख रहित आधार पर) 30 प्रतिशत से कम है, अज्वलनशील पदार्थ का मिश्रण हमेशा 75% से कम नहीं होगा और ऐसे कोयले के संस्तरों की वशा में, जिनमें ऐसे बाष्पशील पदार्थ के 30 प्रतिशत से अधिक है, अज्वलनशील पदार्थ 85 प्रतिशत से कम नहीं होगा; या
- (2) पानी से ऐसी रीति में और ऐसे अन्तरालों पर अभिक्रियित किया जाएगा जो यह सुनिश्चित करेगा कि फर्श, छत और किनारों पर धूल और किसी आलम्ब या संरचना पर सदैव प्रगाढ़ मिश्रण में जल भार के आधार पर 30 प्रतिशत से संयोजन में कम नहीं होगा; या
- (3) ऐसी रीति से अभिक्रियित किया जाएगा जो प्रादेशिक निरीक्षक लिखित रूप में अदेश द्वारा अनुमोदित करें।

- (2) (क) इस उग्र विनियम के प्रयोजन के लिए प्रयोग की गई अज्वलनशील धूल—
- (1) ऐसी होगी कि उसमें मुक्त सिलिका 5 प्रतिशत से अधिक न हो;
- (2) इतनी बड़िया और स्वरूप की होगी कि वह वायु में आसानी से विद्युरने योग्य हो और यह कि जब उन स्थानों में प्रयोग की जाए, जो परत से जल द्वारा प्रत्यक्षतः गीले नहीं किए गए हैं, वह पिंड न बने, किन्तु जब मुख से या किसी समुचित साधित द्वारा उड़ाई जाए, तो वायु में विद्युर जाती है; और
- (3) यथासाध्य रग में हल्के धर्ण की होगी।

ऐसी कोई भी अज्वलनशील धूल प्रयोग नहीं की जाती रहेगी यदि वह परीक्षणों में, जो प्रत्येक तीन भास में कम-से-कम एक बार किए जाएंगे, पूर्वगामी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं पाई जाती है।

परन्तु जब किसी खान में प्रयोग की जाने वाली अज्वलनशील धूल का प्रदाय किसी नियमित स्रोत से नहीं है, तो ये परीक्षण किए जाएंगे, जब भी अज्वलनशील धूल का नया प्रदाय प्राप्त होता है।

- (ख) यदि कोई स्थान या खान का भाग अज्वलनशील धूल से अभिक्रियत किया जाना है, तो—
- (1) अज्वलनशील धूल से अभिक्रियत करने से पूर्व, सभी कोयले की धूल यथाशक्य छत, किनारों, फर्श, छादा-धार, काना, छड़े विभंजक, कपड़ा या कोई अन्य वस्तु या संरचना या स्थान से, जिस पर कोयले की धूल जमा हो जाए, साफ की जाएगी और इस प्रकार एकक्रिय होने वाली सभी धूल 24 घंटे के भीतर सतह पर हटाई जाएगी।
- (2) अज्वलनशील धूल पर्याप्त मात्रा में और ऐसे अन्न-रासों पर जो उपविनियम (1) (ख) के उपबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हो, वस्तुओं, संरचनाओं और स्थानों पर फैलाई जाएगी;
- (3) वायु के बहने की दिशा में कोयले की धूल की सफाई की जाएगी और अज्वलनशील धूल फैलाई जाएगी;
- (4) अज्वलनशील धूल का पर्याप्त प्रदाय खान के उपयुक्त स्थानों पर सुगमता से उपलब्ध होगा और भूमि के नीचे धूल के प्रदाय में कोई भी कमी सुरक्षत प्रबन्धक के ध्यान में लाई जाएगी; और
- (5) भिन्न-भिन्न स्थानों में चट्टा लगाई गई और खान में कड़ाहों पर या धूल रीढ़ों में रखी गई अज्वलनशील धूल, जब कभी वह सुगमता से विद्युरने योग्य मही है या उस पर कोयले की धूल की परत आ जाती है, बदल दी जाएगी।

#### 4. उक्त विनियमों के विनियम 123-व में—

(1) उपविनियम (1) में, “विनियम 123” शब्द और अंकों के स्थान पर “विनियम 123क” शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे।

#### (2) (क) उपविनियम (4) में—

(अ) खण्ड (ख) में, “24 घंटे” अंकों और शब्द के स्थान पर “20 घंटे” अंक और शब्द रखे जाएंगे :

(आ) खण्ड (ग) में, “विनियम 123(5)(ख)” शब्द, अंकों, कोण्डकों और अक्षर के द्यान पर “विनियम 123क (1) (ख)” शब्द, अंक, कोण्डक और अक्षर रखे जाएंगे।

(ख) उपविनियम (5) में, “विनियम 123 (5) (ख)” शब्द, अंकों, कोण्डकों और अक्षर के स्थान पर “विनियम 123क (1) (ख)” शब्द, अंक, अक्षर और कोण्डक रखे जाएंगे।

5. उक्त विनियमों के विनियम 136क के नीचे की सारणी में, स्तम्भ 1, में “प्रथम डिग्री” शब्दों के स्थान पर “प्रथम, द्वितीय या तृतीय डिग्री” शब्द और “द्वितीय डिग्री” शब्दों के स्थान पर “प्रथम या द्वितीय डिग्री” शब्द रखे जाएंगे।

#### 6. उक्त विनियमों के विनियम 136 में—

(1) उपविनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) कोई भी खान या गैलरी निकटन संवातन संयोजन से 4.5 मीटर में अधिक दूरी तक विस्तारित नहीं की जाएगी जब तक वायु प्रवाह अपने प्रतिरोधी पाइपों, दृश्यों, विभाजकों या अन्य सामग्री के माध्यम से मुख के 4.5 मीटर के भीतर किसी स्थल तक नहीं पहुंचता है।”

(2) उपविनियम (7) और (8) का लोप किया जाएगा।

[संख्या एस-66012/4/86-एम०आई०]

आर० टी० पाठ्येय, उप सचिव

### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 23rd June 1988

#### NOTIFICATION

G.S.R. 732(E).—The following draft of certain regulations further to amend the Coal Mines Regulations, 1957, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 57 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), is hereby published as required by sub-section (1) of section 59 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on the expiry of a period of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette;

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be considered by the Central Government.

### DRAFT REGULATIONS

1. These regulations may be called the Coal Mines (Amendment) Regulations, 1988.

2. In the Coal Mines Regulations, 1957 (hereinafter referred to as the said regulations), for regulation 123, the following regulation shall be substituted, namely :—

**"123. Precautions against dust.—(1)** The owner, agent or manager of every mine shall take such steps as are necessary for the minimising of emissions of dust and for the suppression of dust which enters the air at any workplace below-ground or on surface and for ensuring that the exposure of workers to respirable dust is limited to an extent that is reasonably practicable but in any case not exceeding the limits that are harmful to the health of persons.

(2) For the purpose of this regulation, a place shall not be deemed to be in a harmless state for persons to work or pass or be therein if the 8 hours time-weighted average concentration of airborne respirable dust in milligrams per cubic metre of air sampled by a gravimetric dust sampler of a type approved by and determined in accordance with the procedure as specified by the Chief Inspector by a general or special order exceeds three where free respirable silica present is less than 5 per cent and the value arrived at by dividing the figure of fifteen with the percentage of free respirable silica present in other cases.

(3) (a) The owner, agent or manager of every mine shall within six months of the coming into force of this regulation and once at least every six months thereafter or whenever the regional inspector so requires by an order in writing, cause the air at every workplace where airborne dust is evolved to be sampled and the concentration of respirable dust therein determined :

Provided that, if any measurement at any workplace shows the concentration in excess of fifty per cent or seventy-five per cent of the allowable concentration specified in sub-regulation (2) (hereinafter referred to as 'permissible limit') the subsequent measurements shall be carried on at intervals not exceeding three months or one month respectively :

Provided further that, such measurements shall also be carried on immediately upon the commissioning of any plant, equipment or machinery or upon the introduction of any new work practice or upon any alteration therein that is likely to bring about any substantial change in the levels of air-borne respirable dust.

(b) The location, frequency, timing, duration and pattern of sampling shall be such that the samples drawn are as far as practicable truly representa-

tive of the levels of dust exposure of workpersons, and shall include —

(i) 'Static monitoring' to identify sources of dust emission and levels of dust concentration in working environment; and

(ii) 'personal monitoring' of air reaching the breathing zone of workpersons.

The sampling shall be duly supplemented by short-term samples during peak emissions.

(c) Samples shall be taken by a person who has been specially trained for the purpose in the sampling equipment and accessories that have been checked to ensure correct maintenance and efficient operation thereof and examined tested and calibrated on a date which is not earlier than one year.

(d) Respirable dust content of the samples and quartz content shall be determined as soon as practicable at a properly equipped laboratory approved in writing by the Chief Inspector in that behalf.

(e) All results of measurements of airborne respirable dust and all other relevant particulars shall be systematically recorded within four days of the date of collection of samples in a bound paged book kept for the purpose, and every entry in the book aforesaid shall be countersigned and dated by the manager within twenty-four hours.

(4) When the dust monitoring results have established that the permissible limit of dust concentration is being exceeded at any place, the relevant operation or operations causing excessive dust shall cease and the operation or operations shall not be resumed and allowed to be carried on until improvements have been made in the prevention and suppression of dust and fresh sampling carried out immediately on resumption of the said operation or operations has established that such improvements have reduced the dust concentration below the 'permissible limit' :

Provided that if the dust prevention and suppression device of any machinery or equipment fails to operate efficiently the operation of the said machinery or equipment shall like-wise cease and shall not be resumed until the defect therein has been rectified:

Provided further that, purely as a contingency measure or as secondary means of protection in a worksituation where in it is technically not feasible to reduce the respirable dust concentration below 'permissible limit' or during the time period necessary to instal and commission any device or to institute any new workpractice for dust prevention or suppression, compliance with the permissible limit of dust may be achieved by remote operation or by a job rotation and tailing which by the use of suitable dust respirator.

(5) The owner, agent or manager of every mine where need of dust respirators might arise, shall provide dust respirators in sufficient number and at no cost to concerned work for persons for their use for the dust respirators in sufficient number and at no cost and maintained in efficient working order; and for the proper fitting of and for thorough training of

the concerned workers in the need for and correct use of respirators.

(6) To prevent the liberation and accumulation of dust and the propagation of airborne dust, the following provisions shall have effect, namely :—

- (a) dust shall be suppressed as close as possible to its source of formation;
- (b) during any operation of drilling or boring in stone on surface or belowground—
  - (i) the production of dust shall be reduced by using bits which are sharp and of proper shape, by keeping suitable pressure on the bits and by keeping the holes clear of the cuttings;
  - (ii) a jet or water shall be directed on to the cutting edge to wet the cuttings or other equally efficient device approved by the Chief Inspector shall be provided and kept in operation to prevent the atmosphere being charged with dust. Where pneumatic drilling is performed, water shall be turned on before turning on compressed air to the drill. When however, drilling is done by hand, it shall be sufficient if holes are kept constantly moist during such drilling;
- (c) every roadway on surface or belowground where mobile mining machinery ply, shall be regularly wetted or shall be effectively treated with some other equally efficient agent to reduce dust being raised in the atmosphere to a minimum.
- (d) No plant for the screening or sorting of minerals or ores and as far as practicable, no heap or cinder, cement, sand, mortar or other dry and fine material, shall be placed within 80 meters of the top of carrydown cast shaft or intake on way nor shall any such material be so handled as to make it air-borne and drawn into any such shaft or such airway.
- (e) in every mine belowground—
  - (i) no machinery or equipment which is likely to emit dust in excess of permissible limit shall be operated unless it is equipped with a suitable dust prevention and suppression device and unless such device is operating efficiently;
  - (ii) the design, arrangement, material and condition of picks on every mechanical coal cutter shall be such as to reduce the formation of dust to the minimum and no mechanical coal cutter shall be operated unless suitable water sprays or jets of water are directed on the cutting edges thereof so as to damp the cuttings as they are formed;
  - (iii) every working face and the floor, roof and sides of every roadway or airway within 60 meters thereof shall be, unless naturally wet throughout, regularly

washed down to prevent accumulation of dust and shall be kept thoroughly wetted during work shifts;

- (iv) a current or air sufficient to clear away the dust emitted by any machinery or operation and to dilute the dust concentration below the 'permissible limit' shall be maintained by means of general ventilation and if necessary, by local ventilation, so however, that, as far as practicable, the velocity of air in any roadway or workplace shall not be such as to raise dust in the atmosphere;
- (v) after blasting, working places shall not be entered unless sufficient time has elapsed for dust, smoke and fumes to be cleared by a current of air and the broken material shall not be moved unless it has been thoroughly wetted with water;
- (vi) vehicles, tubs and conveyors used for transport of coal shall be maintained in good condition so as to minimise spillage or leakage. Chutes, spiral conveyors, ore passes, bins, trippers, conveyor discharge points and skip loading and unloading installations shall be so controlled as to reduce the formation of dust to the minimum. Such material shall be also thoroughly wetted with water unless it is already wet or other effective means of dust suppression are used;
- (vii) unless owing to special difficulties, exempted in writing by Regional Inspector in that behalf and subject to such conditions as he may specify therein, water in pipes in sufficient quantity and under adequate pressure and dependent of any pumping system, shall be provided and maintained so as to get maximum efficiency in the laying of dust.
- (f) No process of crushing, breaking, disintegrating, dressing, sorting, grinding, screening or sieving of coal or stone or any operation incidental thereto, shall be carried out at any mine unless efficient watering or other appropriate and effective dust control measures, such as, but not limited to isolation, encloser, exhaust ventilation and dust collection are designed, provided, maintained and used.
- (g) The exhausted air, belowground, or on surface, which contains dust in excess of the 'permissible limit' shall be efficiently diluted and if necessary filtered so as to reduce the concentration of respirable dust therein below ten per cent of the 'permissible limit' before being recirculated into workplaces or before emission into atmosphere.
- (h) Every device used for the prevention and suppression of dust produced by any machinery, equipment or process as also for the filtering of the exhausted air and every dust respirator shall be inspected once at

least in every seven days and shall be thoroughly examined and tested at least once in every period of six months and parts of the results of every such inspection, examination and test shall be recorded in the register maintained under clause (e) of the sub-regulation (3).

(7) The manager of every mine where airborne dust is generated shall formulate and implement a scheme specifying :—

- (a) the location, frequency, timing, duration and pattern of sampling;
- (b) the instruments and accessories be used for sampling;
- (c) the laboratory at which respirable dust content of samples and quartz content shall be determined;
- (d) the format in which the results of measurements of dust concentration and other particulars are to be recorded;
- (e) the organisation for dust monitoring and for the examination and maintenance of dust prevention and suppression measures and dust respirators; and
- (f) the manner of making all persons concerned with the implementation of the dust control measures fully conversant with the nature of work to be performed by each in that behalf.

(8) The Regional Inspector may, where special conditions exist, permit or require by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, any variation in the foregoing provisions or in the manager's scheme.

(9) If any doubt arises as to any matter referred to in this regulation, it shall be referred to the Chief Inspector for decision.

3. After regulation 123 A of the said regulations, the following regulation shall be inserted namely :—

#### “123-A, Execution of measures for

“(1) Every part of a mine which is not naturally wet through or which is not isolated by exploration proof stopping shall :—

- (a) as far as practicable, be kept clear of any accumulation of coal dust; and
- (b) be treated —
- (i) with fine incombustible dust in such manner and at such intervals as will ensure that the dust on the floor, roof and sides and any support or structure shall always consist of a mixture containing not less than 75 per cent of incombustible matter in case of coal seams containing less than 30 per cent volatile matter (on dry ash free basis) and 85 per cent of incombustible matter in case of coal seams containing more than 30 per cent of such volatile matter; or

(ii) with water in such manner and at such intervals as will ensure that the dust on the floor, roof and sides and on any support or structure is always combined with not less than 30 per cent by weight of water intimate mixture; or

(iii) in such manner as the Regional Inspector may approve by an order in writing.

(2) (a) The incombustible dust used for the purpose of this sub-regulation shall be :—

- (i) such that it does not contain more than 5 per cent of free silica;
- (ii) of such fineness and character, that it is readily dispersable into the air and that, when used in places which are not directly wetted by water from the strata it does not cake but it is dispersed into the air, when blown upon with mouth or by a suitable appliance; and
- (iii) as far as practicable light in colour. No such incombustible dust shall continue to be used if it is found by tests, which shall be carried out once at least in every three months, not to comply with the foregoing requirements :

Provided that when the supply incombustible dust used in a mine is not from a regular source, these tests shall be carried out whenever a fresh supply of incombustible dust is received.

(b) Where any place or part of the mine is to be treated with incombustible dust :—

- (i) before treating with incombustible dust, all coal dust shall be cleaned, as far as practicable, from the roof, sides, floor, props, cogs, bars, brattice cloth or any other objects or structure or place on which coal dust may deposit, and all dust so collected shall be removed to the surface within 24 hours.
- (ii) incombustible dust shall be spread on the objects, structure and places aforesaid in adequate quantity and at such intervals as may be necessary to ensure compliance with the provisions of sub-regulation (1) (b);
- (iii) the cleaning of coal dust and spreading of incombustible dust shall be carried out in the direction of the flow of the air;
- (iv) a sufficient supply of incombustible dust shall be readily available at suitable places in the mine, and any deficiency in the supply of dust underground shall immediately be brought to the notice of the manager; and
- (v) incombustible dust stacked at different places and kept on pans or in dust barriers in the mine shall be changed whenever it is no longer readily dispersable or whenever it becomes coated with coal dust, such dust shall be removed.

4. In regulation 123-B of the said regulations :—
- in sub-regulation (1), for the word and figure ‘regulation 123’, the word and figure and letter ‘Regulation 123-A’ shall be substituted.
  - (a) Sub-regulation ‘(4) (A) in clause (b) for figures and word “24 hours”, the figure and word ‘20 hours’ shall be substituted.
  - (B) in clause (c) word figures brackets and letter “regulation 123 (5) (b)”, the word, figures, brackets and letter “regulation 123-A(1) (b)” shall be substituted.
  - (b) in sub-regulation (5) for the word, figures, brackets and letter “regulation 123 (5) (b)”, the word, figures, brackets and letter “123-A(1) (b)” shall be substituted.

5. In the Table under regulation 136-A of the said regulations, in column 1, for the words “First and

degree”, the words ‘First, Second or Third degree’ and for the words “Second degree”, the words “First or Second degree” shall be substituted.

6. In regulation 146, of the said regulations :—

- for the sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted, namely:
  - Now working or gallery shall be extended to a distance of more than 4.5 metres from the nearest ventilation connection unless the current of air is coursed upto a point within 4.5 meters of the face, by means of fire resistant pipes, tubes, brattices or other materials.”;
- sub-regulations (7) and (8) shall be omitted.

[No. S. 66012/4/86-M.I]

R. T. PANDEY, Dy. Secy.

